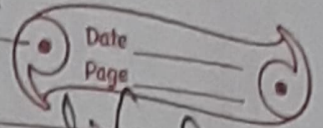


HOLIDAY HOME WORK



1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखें।
- क) मीधन पिता की नज़र सचकार साँड़ की बच्चा लोकर देनाथ
ख) मीधन पिता की नज़र सचकार साँड़ की रीतियाँ लोकर देना था।
- ख) नारद के मन में उल्लास क्यों था ?
उ नारद के मन में किसान के लार् में जानकारी प्राप्त करने के लिए उल्लास था।
- ग) काव के अनुसार कौन सा धर्म श्रेष्ठ है ?
उ- काव के अनुसार मित्र धर्म श्रेष्ठ है।
- घ) मनीहर ने नदि की बच्चा मंगवाकर देने के लिए कहा ?
उ मनीहर ने नदि की पतन मंगवाकर देने के लिए कहा।
- ङ) हमें गिरन के बाद बच्चा करना चाहिए।
छ) हमें गिरन के बाद दुख नही मनना चाहिए अर्थात सभी बदन के लिए फिर से कोशिश करनी चाहिए।
2. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- क) आज का काम आज ही क्यों करना चाहिए ?
उ- आज का काम आज ही करना चाहिए कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। समय का सदुपयोग करना चाहिए क्योंकि समय कभी लौटकर नहीं आता है।
- ख) राम राम रूढ़ी होने का क्या अभिप्राय है ?
उ- राम राम रूढ़ी होने का तात्पर्य है शरीर का एक एक राम कर्जदार होना। अर्थात दुर्ग्रहिन का कर्ण के उपर इतना अहसान है कि कर्ण का शरीर का एक एक राम दुर्ग्रहिन के उपकार का कर्जदार है।

2. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए
क) प्रियतम कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

उ - प्रियतम कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि हमें सही कार्य करना चाहिए क्योंकि परिश्रम और अच्छे मन के बिना किए गए कार्यों से ही मलाई बनती है। परंतु ईश्वर को नहीं पूजना चाहिए। हमें अपनी जम्मेदारियों को मूला-मानि लेना चाहिए। हमें अपनी उत्तरदायित्वों को पूरा करने में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं करनी चाहिए और नदी किनारे के झूठे व प्रेम पर संदेह करनी चाहिए। ईश्वर उसी से प्रेम करते हैं जो अनिवार्यताओं में न पड़कर यथार्थ जीवन व्यतीत करता है तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपने कार्यों को विनियमित भाव से करते हैं।

ख) "गुदड़ सड़ें। तुम नरें गुदड़ नहीं। गुदड़ी के ज्ञान ही।" भाव स्पष्ट कीजिए।

उ - गुदड़ी का ज्ञान होना मुदावरे है। इसका अर्थ यह है कि ऐसा व्यक्ति जो जिम्मेदारी बुद्धिमानी एवं शान्ति का भाग न समझते हैं। सड़ें का गुदड़ी का ज्ञान कहने का आशय यह है कि सभी लोग लोग उसे चिथड़ा बना सड़ें ही जानते थे परंतु बालकों को अवगत स्वरूप मानते थे तथा उसके मनीषिणाद के लिए ही गुदड़ रखते थे।

इसी वृत्तन और ही समझने से। इसी कारण
लेखक ने गुदड़ी का लोहा बोध।

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीत शब्द लिखिए।

उपरिस्थित — अनुपरिस्थित

श्राद्ध — क्षमा

आदर — अनदर, निरादर

गरीब — अमीर

उर — निरुर

5. निम्नलिखित वाक्यों का पहचान कर उनके मेंद लिखिए।

क) गिरकार उठी और उलकार बैठी।

उ संयुक्त वाक्य

ख) कोई काम कठिन न मानी, (सरल वाक्य)

ग) हमें मिलजुलकर पढ़ना है। (सरल वाक्य)

घ) यह काम हम कर सकते हैं। (सरल वाक्य)